



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दून ट्राईस्ट	16.12.21	५	६०४

एग्रोटिप्स • वैज्ञानिक किसानों को दे रहे खरपतवार नियंत्रण के सुझाव समय पर खरपतवार नियंत्रण कर ले सकते हैं गेहूं की अधिक पैदावार

मासिक न्यूज़ | डिस्ट्री

गेहूं प्रदेश में जीवी की मुख्य कम्सत है। किसान उनसे किस्म व सिंचाई का प्रबंध कर अधिक पैदावार हासिल कर रहे हैं, लेकिन साथ ही सुरक्षात्वारों की समस्या भी बढ़ती जा रही है जिससे पैदावार में विवरण की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। प्रदेश में धान-गेहूं कम्सत जड़ वाले जीवों में गुल्ली डंडा (कन्धी), लोम्बड घास, जंगली पालक, गंत पारा, मैंग व मालवा की समस्या अधिक है। एचप्यू के कुलपति श्री. वीआर काम्बोज व अन्य वैज्ञानिक फसल को रोगों से बचाव के टिप्प दे रहे हैं।

कुलपति श्री. वीआर काम्बोज ने बताया कि दैशिली हरियाणा में जीवों जहां, चार्चू, खड़बाचू, गुल्ली डंडा, हिरण्याचूरी, मेंगा, मालवा, प्याजी व कटीली पालक सुरक्षात्वार का अन्त गेहूं की फसल में समय पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो 75 प्रतिशत तक पैदावार में कमी हो सकती है।

खरपतवारनाशक के प्रयोग में बरतें सावधानी

वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल के अनुसार खरपतवारनाशक की सिफारिश असै नहीं मात्र का छिड़कात्र 150-200 लीटर पानी में मिलाकर फॉट फैन नोजल युक्त हान्त चारित स्थे पथ पाया करना चाहिए। गुल्ली डंडा की रोकथाम के लिए जलोंडीनाहेप 160 ग्राम प्रति एकड़ या फीनोसाइटेन 400 मिली ग्राम प्रति एकड़ या मालकोमलम्पुरोन 13.5 ग्राम प्रति एकड़ का छिड़कात्र करें। अगर इस जोर से जल गही हो तो छिड़कात्र न करें। अन्यथा साथ बाले खेत में खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।

छिड़कात्र में सही मात्रा व समय का रखें ध्यान

डॉ. पवन कुमार के अनुसार खरपतवारनाशकों की सही मात्रा वा स्थान रखना जरूरी है। बिलाई के तुरंत बाद खरपतवारनाशियों का प्रयोग करें। उन्हें छुप खरपतवारों का नट करने के लिए जब वे 2-3 पत्ते की अवस्था में हों तब खरपतवारनाशियों का प्रयोग करें। यदि खरपतवार बड़े हो जाएं तो उनका नियंत्रण मुश्किल हो जाता है।

इस प्रकार लगा सकते हैं खरपतवार पर नियंत्रण

गेहूं की फसल में गुडाई हाय मिसान कोर लागत के 10 दिन बाद करनेले या सूखे से सुखावार निकल सकते हैं। बड़े खरपतवार गेहूं की फसल जैसे ही होते हैं तिनको केवल खरपतवारनाशक द्वारा निकला जा सकता है। बड़े शेंडों में खरपतवारों में खरपतवारनाशक के प्रति प्रतिरोधकता आ गई है, इसलिए मालाहनुसार ही इनका प्रयोग करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘डाजीट सभा’-ना०१	१६.१२.२१	४	३-५

साहित्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : काम्बोज



हिसार : प्रशिक्षण लायिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यालियि प्रोफेसर डी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 15 दिसंबर (एग्रिकृषि अनुप्रय बैठक होने) : चौथी चरण मिह विश्वविद्यालय के कृषिकृषि विभागीय विद्यालय के कुलपति अद्योति 21 दिसंबर प्रशिक्षण के लिए यानव संस्थान प्रशिक्षण के लिए जली की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विद्यालय की गुणवत्तापूर्वक आवश्यों के एकत्रण एवं विद्यालय में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आहुति किया कि जब भी कोई नई किसी के विद्यालयों के लिए जली की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विद्यालय की सहाय हो सकेंगी की वे किसी किसी में सहायता व ऊरकों की वी विद्यालय में का प्रयोग करें ताकि नेटवर्क में अधिक बढ़ती हो सके।

साल ही अर्थमिती तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है जिससे अकल नीति निर्धारण आहान होगा और आर्थिक नुकसान से बच सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प.ज.आ. एसरी	१६.१२.२१	५	१-२

सांखियकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 15 दिसम्बर (ब्यूरो): आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विविध के समापन अवसर पर बड़ी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति मुख्यालियत वाले रहे थे। प्रशिक्षण प्रोफेसर डॉ आर. काम्बोज ने कहा का विषय सांखियकी और अर्थमिती कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा काले में सांखियकी और अर्थमिती गया था। इस अवसर पर मानव तकनीकों का अधिक संसाधन प्रबन्ध निदेशालय के नियेतक उपयोग किया जाना चाहिए। इसमें डॉ. अमृत श्रीमद्भू, लालना लालपत्राय वर्तमान व भूतकाल के आकड़ों का वश् चिकित्सा एवं विज्ञान प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पृथिव्यान साही व सटीक नियार किया यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्रतिभागियों जा सकता। यह भविष्य में आने वाली नियोगियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा।

वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबन्ध निदेशालय में

जोमेंद्र भी मौजूद रहे।



प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यालियत प्रो. डॉ. आर. काम्बोज व अन्य। (फोटो)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैन नू भास्कर	१६. १२. २१	२	७-८

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीक कृषि नीति निर्धारण में सहायक एचएयू में प्रशिक्षण के समापन पर बोले वीरी



मंत्रकर न्यूज़ | हिसार

अनुभव किए साझा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीरी प्रोफेसर वीआर काल्योग ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भवितव्य के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूछनुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकता। अहं भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिखित के समाप्ति अवसर पर वीरीर मुख्यालियत बोले रहे हैं। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी

मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अमृत डॉपड़ा ने मुख्यालियत का स्वामत किया व इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण को संक्षीप्त की जानकारी दी। प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों और अनुकूल तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और ये स्वयं को बढ़ावा देने वाली सेवाओं से बदलने में सक्षम हो पाते हैं।

और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा जाया था। वीरी ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर परिवेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न समस्याओं, विभिन्नों व विस्तारों के मार्गदर्शन के लिए कार्यदंड साधित होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उम्भा उत्ता ला	16.12.21	५	१-२

'सांख्यिकी एवं अर्थमिति तकनीक का प्रयोग भविष्य की कषी नीति निर्धारण में सहायक'

हिसार। वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सहायत्की और अधिकारीति तकनीकों जा अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इसमें वायिन व भूकलन के आकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए प्रबन्धनामान सही व सटीक तैयार किया जा सकता। यह भविष्य में आने वाली पुनर्जीवियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि जीति विकास में सहायक होग। इसके परिणाम भी उसे अनुरूप बहरत होंगे।

यह कहना है चारों ओर यह सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कोणिया का। वह विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में अध्येतिजन 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बताए मुख्य अनिवार्य औल रहे हैं। प्रशिक्षण का विषय सामिलिकों और अधीनियति तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखना गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विफल रहो से एकत्रित आड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च परम्परा परिवर्तनशील, खालीय कठिन निर्धारण, कृषि व उसमें संबंधित विभिन्न संस्थानों, विभागों व किसानों के मानविकास के लिए एकाधिनंदन समर्थित होंगा। इस बोके पर मनन संस्थान प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अनुल दीगडा, डॉ. मनु मेहता, डॉ. दीपी मरिलक, डॉ. जितेंद्र धरिया, डॉ. दलप्रीत विस्तोड, डॉ. मोनिका, डॉ. जोगेंद्र मोजनूर रहे। अप्रै



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	15.12.21	--	--

साइयिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग अविश्व भी कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



• Print • Back • Home

२०१५ वर्ष के अंत में जलवायिका विभाग द्वारा आयोजित एक बड़ी घटना के बाद, जिसमें लोगों की मौत हो गई, इसके बाद विभाग की विभिन्न सेवाएँ और उपकरणों की वितरण की गई।

provide a detailed account of the results of the study. The results of the study were presented in a formal report to the Ministry of Health. The report was submitted to the Ministry of Health in December 2002, and it was accepted by the Ministry of Health. The report was submitted to the Ministry of Health in December 2002, and it was accepted by the Ministry of Health.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.12.21	--	--

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में साझेकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्थानों से एकत्रित आकड़ों को कृषि



एचएयू प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रो.
वी.आर. काम्बोज व अन्य।

अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फ़ायदेमंद साबित होंगा। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किसम को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की वे

किसी किसम में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल दीगङ्गा ने प्रशिक्षण कोर्स की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. मंजु मेहता, डॉ. डी.पी. मलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्वास, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.12.21	---	---

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा साथियकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज

खंड १०८



अपीलकी तरफ़ से या कुछ में प्रयोग रहा था। कुसलही ने कहा कि इन तरफ़ के प्रयोग में विभिन्न स्रोतों में एकी खोज हो गई असाधारण विकास

वा वृक्ष में प्रवेश करने वाला हिंदू ने कहा कि इन वासियों की अपेक्षा से उत्तम विजय होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.12.21	--	--

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज



**मेरी फसल-मेरी व्यौता पोर्टल पर कृषि क्षेत्र से संबंधित
भूमि का शत-प्रतिशत पंजीकरण होगा : एडीसी**





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	15.12.2021	--	--

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

टड़े न्यूज़ | हिंसार

चौथी चरण में हीरायाणा कृष्ण विश्वविद्यालय हिसाब के कुलपति प्रोफेसर थीं और आर. काम्होज ने कहा कि वे जानिकों द्वारा कृष्ण अनुसंधान कार्यों में नार्तिष्ठी और अख्याती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे यत्नमान व भूतकल के अधिकारी का प्रयाप करते हुए भविष्य के लिए पृथ्वीनुसार सही व सटीक तैयार किया जा सकता।

यह भवित्व में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भवित्व की कृपि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे नियमित्यालाक्य के मानव संसाधन प्रबंध निदेशकाल में आयोजित 21



ਪਾਲਿਸ਼ਨ ਹਾਊਸ ਕਾਰੋ ਕਾਰੇ ਪ੍ਰੀਸ਼ਨਿਗਾਂ ਦੀ ਸਥ ਮੁਲਾਕਾਰਿਤਾ ਪ੍ਰੋਫੈਲਰ ਹੈ, ਆਤ ਕਾਸ਼ਿਕ ਦ ਅਤੇ।

दिवसीय प्रशिक्षण शिल्पिर के स्थान-अवसर पर बाहर मुख्यतया योग रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांखिकी और अभियन्त्री तकनीकों का कुपि में प्रयोग रखना था। कलार्टीन न कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्टोकों से एक विशेषण में सहायक होंगी। उन्होंने एक विशेषण में सहायक होने वाली प्रतिक्रियाएँ से आज्ञान किया कि जब भी कोई नई क्रिया को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विधियों से जुड़ा जाता है। विधियों ये किसानों के मानवरूप के लिए फालेंमंद स्वाक्षर होंगा। ये तकनीकों द्वारा कर्तव्य को उपलब्धताकूक आकड़ों के एकलण एवं विशेषण में सहायक होंगी। उन्होंने एक विशेषण से आज्ञान किया कि जब भी कोई नई क्रिया को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विधियों से जुड़ा जाता है। विधियों से प्रतिक्रिया अवसर द्वारा मंडिरों में विशेषण के अध्ययन के लिए उपलब्धताकूक आकड़ों के एकलण एवं विशेषण में सहायक होंगी। उन्होंने एक विशेषण से आज्ञान किया कि जब भी कोई नई क्रिया को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विधियों से जुड़ा जाता है।

किसानों के साथ है सर्वेंगों की ये किसी किसमें रहनेवालों व उद्दर्शीयों की किसी भाषा का प्रयोग करते ताकि पैदावार में अच्छी बोलती हो सकें। साथ ही अधीक्षित लक्ष्मीनान्द के प्रयोग से उसका अधिक अनुभाव लाया जा सकता है जिससे सफल नीति निघोरण आसन होगा और अधीक्षित लक्ष्मीनान्द से बच सकता है। उन्होंने कायाकी ये इस प्रशिक्षण में एक्युए के अलावा लाता लाताराम पट्टा चिकित्सा एवं विज्ञान विद्यालय द्वारा हिसार, पंजाब एवं कर्नाटक गृनियासिटी, सूर्योदयान से प्रतीक्षिणियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संपोषितियाँ डॉ. मंजू मेहता, कृष्ण अंशरामस्व के अध्यक्ष डॉ. दीपा पी. अंशुराम, डॉ. विनोद खटिया, डॉ. दत्तेश विजय, डॉ. मानविका व डॉ. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	15.12.21	--	--

नम-छोर

स्थानीय-विविध

अनुसंधान कार्य में सांखिकी व अर्थमिती तकनीकों का ज्यादा उपयोग करें कृषि वैज्ञानिक : कुलपति

हिमाचल प्रदेश विधानसभा



यारी सुखलायि बोल रहे हैं
प्रश्नका का प्रिय मालिकाको और
अधिकारी तकनीकों का कृपा दें
प्रश्नगण रुका गया था। कुसुरीनी
कहा कि इन तकनीकों के प्रश्नग में
विविध साहित्य से एकत्रित किया
को कृपा अनुसंदेश, विस्तृत पेपर
प्रश्नक्रम भवित्व की गयी।

निर्भय, कुर्बि व उमसे संवेदी
विभिन्न संघातों विप्राहं व
किंवद्दनों के मानवों के लिए
प्रायः दृष्टि दृष्टि होता। ये
ताकनोंके शंखपातामिं जो
प्रायः लालाकृत लाकड़ी के एकउत्तम
एवं विश्वलेपण व महावाहक होती
उत्तम विभिन्नामिं से भ्रातुर्भ्रित

कि जब भी कोई नई किसिम
विषाणों के लिए जारी की जाती है
तो इन विषाणों का प्रयोग कर
विज्ञानिक विषाणों को खाली है
उसके बाद वे किस किसम में
एकदम न उपस्थिति को विषाणी
मात्र का प्रयोग करे इष्टावार
में अपनी विषाणी से यह-

ही अधिकारी उक्तीशब्दों के प्रयोग से उसका अधिक अनुभाव लेना चाहकता है, जिससे मफल नीति विधान आसन होगा और अधिक उक्तावन से बच सकता है।

पान भास्तव्य प्रदेश निर्देशन के विवरक तथा अमृत बीजांक के कहाँ कि इस तात्पर विवरणों का उपयोग विवरणों के लिए बहुत ही लाभप्रद होता है। इसके बीजांकों का अधिकतम लाभों के उपरोक्त की जानकारी सिफारिश दी गई है और ये लाभों को लाभांश में व्यापकीय से व्यापक में समझ हो जाते हैं। इस अवधारणा पर पानकल्पना विवरणों का तो पैदा होता, किंतु अन्यकालीन के अपेक्षाकृत तो पैदाहोता, तथा विवरणों की सिफारिश, तथा सिफारिश व तात्पर विवरणों की सिफारिश दी गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	16.12.21		

देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

एथेपु में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हिसार, 15 दिसंबर (सुरेंद्र सेही) - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषीपत्री प्रोफेसर डॉ. आर. कामोज़ ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सहायता और अधीनिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

ये विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशकला में अधोजन 21 दिवसीय प्रशिक्षण चिकित्र के सम्बन्ध अवसर पर बताए मुख्यालयीय बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय स्टॉलिकी और अधीनिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कृषीपत्री ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्तरों से एकलीचंड आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, वित्ती खेत विनियोग, भौतिक वर्ती नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न सम्बन्धों, विभागों व विभागों के मार्गदर्शन के लिए फ़ायदेमंद साधित होगा। ये तकनीकें शोधकर्ताओं के युग्मतापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं



प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यालयीय प्रोफेसर डॉ. आर. कामोज व अन्य।

विभागेन्द्र में सहायक होंगे। उन्होंने प्रतिभागियों से आँखें लिया कि जब भी कोई नई किसन को विभागों के हित, जारी की जाती है तो गो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विभागों को रसायन द उपकारों को ये किसी किस में रसायनों व उर्वरकों की फिल्मों मात्रा कह प्रयोग कर ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतारी हो सके। साथ ही अधीनिती तकनीकों के प्रयोग से उसका अधिक अनुभाव लायाज्ञान जा सकता है जिससे सफल नीति विशेषण आसान होगा और अधिक

अनुभव किए जाएँ

इस अवधार पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशकला के निदेशक डॉ. अनुल दीगड़ा ने मूलाधारी नव रसायन किसाय व इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कोर्स की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दृष्ट के प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों को अधीनिती तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और ये सर्व ये बदलते परियोजने में असारों से ढालने में राज्य हो पाते हैं। उन्होंने जारी किया कि इस प्रशिक्षण में एथेपु के अलावा लाला लाजपतराय पश्चि चिह्निता एवं विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार, पंजाब प्राइवेट औपनिवेशी, सुगंधियाना से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

नृक्षमन में यथ सकता है। इस अवधार गलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दत्तीप पर प्राइवेट संस्थानों डॉ. मंजु महता, विश्रेत, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र भी कृषि अधीनिती के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. गौगूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सरेता	16.12.2021	--	--

एचएयू में 7 दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक लेंगे हिस्सा



विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती द्वारा।

हिसार, 15 दिसंबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16

● पारंपरिक वेशभूषा व खेलों के जरिए झलकेगी राज्यों की संरक्षिति

दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डा. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक

कमेटियों की लगाई इयूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की इयूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शोड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सारकृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दोनों भागों	16.12.21	2	५-५

**एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर आज से
कई राज्यों से 200 स्वयंसेवक आएंगे**

मास्तक न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नज़ारा विधि में अध्योग्यता किए जाने वाले राष्ट्रीय पक्षिता शिविर के दौरान देखने का नियन। विश्वविद्यालय के योसी प्रोफेसर और अर्काबोज ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिक उद्दान कृषि महाविद्यालय

के सभागृह में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बज़कर 30 मिनट पर किया जाएगा। जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्त बदली मुख्यमंत्री होंगे। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक दिसंबर को 10 और 15 कालीकम अधिकारी भी शामिल होंगे। स्वयंसेवक अपने राज्यों की परिवर्तक वेशभूषा, सेवों व अपने परिवर्तीकरण के माध्यम से वहाँ की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘जगीत सभा-२०१२’	१६.१२.२१	७	३

एवेयू में सात दिन तक होंगे
अनेकता में एकता के दर्शन,
नज़र आएगा छोटा भारत

हिसार, 15 दिसम्बर (देवनंद
सेनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी
16 दिसंबर से अनेकता में एकता के
दर्शन होंगे। यह नज़रा विश्वविद्यालय
में अस्थेजित किए जाने वाले गृहीय
एकता शिविर के दैरान देखने को
मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रोफेसर डॉ. आर. काट्टवोडा ने जताया
कि इस गृहीय एकता शिविर का
विधिवाल उद्घाटन कृषि महाविद्यालय
के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर
12 बज़कर 30 मिनट पर किया जाएगा।
विसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतार
मुख्यपत्रिका होंगे।

जब्तें जताया कि इस शिविर में
देश के विभिन्न राज्यों से गृहीय सेवा
योजना के 200 व्यवसेक्षक हिस्सा
होंगे और रात्रि ही 15 कार्यक्रम
अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दैरान
व्यवसेक्षक अवाने अपने राज्यों की
पारंपरिक वैश्वाप्ति, खेलों व अन्य
गतिविधियों के मालिक से वहाँ की
कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मेसारी	16.12.21	५	७-८

एच.ए.यू. में आज से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर

हिसार, 15 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 16 दिसम्बर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नज़रा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के द्वारा देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. डॉ. आर. कामवाजन ने बताया कि शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में दोपहर 12:30 बजे मुख्यालिम विधायक डॉ. कमल गुप्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वर्णसेवक हिस्सा होंगे। शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमिटीयों का गठन किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘ज्ञान’ (उत्तर)	16.12.21	५	५

पारंपरिक वेशभूषा और खेलों के जरिये झलकेगी राज्यों की संस्कृति

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होगे। यह नवाच विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिखित के दैशन देखने को बिलेगा। इस दैशन स्वामेवक अपने अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य परिवर्धितों के माध्यम से वहाँ की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।

कुलपती प्रो. बीआर कांडेज ने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिखित का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा। जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बताएंगे मुख्य अधीक्षित होंगे। शिखित में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वामेवक हिस्सा होंगे। 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। शिखित का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. टेंडेंट मिह दिल्ला ने कहा कि आयोजन के लिए विभिन्न कमीटियों का गठन किया है। व्याप



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ न्यूज़	16.12.21	--	--

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

- 16 दिसंबर से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक कर्मचारी शिरकत पारंपरिक वैशभूषा व खेलों के जरिए झलकेगी राज्यों की संरक्षिति



हिसार (सच कहूँ न्यूज़)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने कले राष्ट्रीय एकता शिविर के दैराने देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के मुख्यपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने घलाया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर

12 बजकर 30 बिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुरुता चतुर मुख्यालिंग होंगे। उन्होंने घलाया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्से होंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दैरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वैशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के

माध्यम से वहाँ को कला व संस्कृति के दर्शन करायेंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. शांति प्रसाद द्वारा किया जाएगा। घलाया गया है शोइयुल, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की इमूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शोइयुल निपटारित किया गया है जिसमें सामूहिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	15.12.2021	--	--

हकृति में कल से लगेगा सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कल से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि इस शिविर का उद्घाटन कल दोपहर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहाँ की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की द्यूटियां लगाई गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	16.12.21		

हिसार, वीरवार, 16 दिसंबर 2021

3

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

- आज से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक करेंगे शिरकत
- पारंपरिक वेशभूषा व खेलों के जरिए इलकेगी राज्यों की संरक्षित

टुडे न्यूज़ | हिसार



विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती द्वारा का फाइल फोटो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आज 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजरा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दैरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई इयूटियां छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के टैक्सानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की इयूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सारकृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

बताया कि इस शिविर में देश के वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से बहां की कला व के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र शामिल होंगे। इस दैरान स्वयंसेवक कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़	15.12.21		

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

समस्त हरियाणा न्यूज़ शिखित उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के समाजमें वेशभूता, खेलों व अन्य गतिविधियों के पाठ्यम से बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के महत्व हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट स. बहां को कला व संस्कृति के दर्शन कराएं। इस आयोडन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से किंवा जाएगा जिसमें किशोरक द्वा. डमत गुरु शिविर का आयोडन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजरा बड़ी मुश्किलीय होंगे। उन्होंने बताया कि इस निदेशकत्व को गहरी सेवा योजना इकाई के द्वारा कर्मचारियों व स्वयंसेवकों को द्यूटीयां लगाई रही विश्वविद्यालय में आर्थिक शिविर जाने वाले गहरी प्रशिक्षित शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से गहरी सेवा किया जाए।

एकता शिविर के दोपहर देवने को मिलेगा। योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और नव बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक विश्वविद्यालय के कुलशति प्रोफेसर बो.आर. हो 15 कार्यक्रम आयोजिती भी शामिल होंगे। इस लागड़ द्यूटीयां कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद रणनीति ने बताया कि इस गहरी एकता शिविर का दैर्घ्य स्वयंसेवक आजने-अजने राज्यों को पारंपरिक छात्र कल्याण निदेशक द्वा. देवेंद्र सिंह दीर्घ्या ने महिल अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम भारत सची	दिनांक 15.12.21	पृष्ठ संख्या ---	कॉलम ---
--------------------------------	--------------------	---------------------	-------------

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

© 2012-2023 • [View party history](#) | [View my profile](#) | [View my complete history](#) | [View my friends](#) | [View my photo albums](#) | [View my blog entries](#) | [View my reviews](#) | [View my posts](#) | [View my status updates](#)



16. दिनांक दे द्वारा वार्ता करना विचित्र, दृश्य के विकल्प वाली दे वार्ता व्यवस्था द्वारा दिल्ली

प्रतीक्षा - निवासी परामर्शदाता को अधिकारी संसदीय विभाग द्वारा नियमित रूप से अनुबंध विवरणों का उपलब्ध कराया जाता है। इसका उपयोग निवासी को अपनी विवरणों की अवधारणा को अपनाने में आसानी प्रदान करता है। इसका उपयोग निवासी को अपनी विवरणों की अवधारणा को अपनाने में आसानी प्रदान करता है।

विवाह तो है दृष्टि, लालचियों की नहीं बनती।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.12.21	--	--

**एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में
एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत
कल से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न
राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक करेंगे शिरकत**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की इयूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।